Seat No. : _____

XX-114

M.A. (Sem.-IV)
April-2013

Hindi (507)

हिन्दी भाषा प्रशिक्षण

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

१. प्रश्न का उत्तर विस्तार से दीजिए ।

(क) पाठों की भाषापरक संकल्पना को स्पष्ट कीजिए । १०

अथवा

हिन्दी की व्याकरणिक कोटियों का परिचय उदाहरण सहित दीजिए ।

(ख) प्रश्न का उत्तर संक्षेप में दीजिए । ४

'प्रथम रश्मि' कविता का पाठ संसाधन कीजिए ।

अथवा

पाठों के प्रकार बताइए ।

२. (क) प्रश्न का उत्तर विस्तार से दीजिए । १०

व्यतिरेकी अध्ययन का महत्त्व समझाते हुए उसकी प्रक्रिया को समझाइए ।

अथवा

हिन्दी और गुजराती की लिंग व्यवस्था की उदाहरण सहित तुलना कीजिए ।

(ख) प्रश्न का संक्षेप में उत्तर दीजिए । ४

हिन्दी की कारक व्यवस्था

अथवा

उपसर्ग, मध्यसर्ग और परसर्ग

३. (क) प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए । १०

'शैली निबंध का प्राण है' – इस कथन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'निबंध कैसे लिखा जाता है ?' – मौलिक विचार प्रस्तुत कीजिए ।

(ख) प्रश्न का उत्तर संक्षेप में लिखिए । ४

निबंध और प्रबंध का अंतर

अथवा

निबंध के तत्त्व

४. (क) प्रश्न का उत्तर विस्तार से दीजिए । १०

कोश का महत्त्व समझाते हुए कोश के कार्यों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

कोश निर्माण में आने वाली बाधाएँ स्पष्ट कीजिए ।

(ख) प्रश्न का उत्तर संक्षेप में दीजिए । ४

कोश की विभिन्न परिभाषाएँ

अथवा

कोश के विभिन्न प्रकार

५. सूचनानुसार कीजिए ।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : ७

(१) वाक्य संरचना के लिए दो न्यूनतम तत्त्व _____ एवम् _____ हैं ।

(२) कृति का आरंभ और अंत _____ से ही होता है ।

(३) गुजराती की लिंग व्यवस्था _____ भाषा से साम्य रखती है ।

(४) अन्य भाषा सीखते समय मातृभाषा _____ उत्पन्न करती है ।

(५) भाषा सीखने में कठिनाई _____ स्तर पर होती है ।

(६) शैली के दो समानार्थी शब्द _____ और _____ हैं ।

(७) हिन्दी के सर्वप्रथम कोश का नाम _____ है ।

निम्नलिखित विधान सही हैं या गलत पहचानिए । ७

(१) भाषाई संरचना के पाँच आयाम हैं ।

(२) भाषा परक पाठों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी शुद्धता एवम् स्वीकार्यता है ।

(३) वाक्य संप्रेषण व्यवस्था की सबसे बड़ी इकाई है ।

(४) हिन्दी में निबंध लेखन का प्रारंभ पं. बालकृष्ण भट्ट ने किया ।

(५) मार्टेन के अनुसार निबंध का उद्देश्य आत्मनिवेदन है ।

(६) कोश का सर्वप्रथम उदय रशिया में हुआ था ।

(७) डॉ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध सामासिक शैली में लिखे गए हैं ।

_____